

GOD'S SIMPLE PLAN OF SALVATION FROM JOHN



Why did Jesus die?

1. Man by nature does evil (wrong).

It is not hard to admit that we all have done things that we know is wrong, but yet we do them anyway. That is called sin! We all are guilty of it we have been doing it since we were born.

John 3:36 जे बेटा पर बिसवास करऽ हे अनन्त जि नगी ओकर हे बाकि जे बेटा के नञ मानऽ हे, ऊ जि नगी के नञ देखतइ, बाकि परमेसर के किरोध ओकरा पर रहऽ हे।”



We are all sinners!

2. By that nature we are condemned.

John 6:40 काहेकि हमर पिता के हिच्छा ई हे कि जे कोइ बेटा के देखय आउर ओकरा पर बिसवास करय, ऊ जि नगी पावे आउर हम ओकरा आखिरी दिन फिन जीया दीअई।”

John 3:18 जे उनखा पर बिसवास करऽहे, ओकरा पर सजा के आग्यां नञ होवऽ हे, बाकि जे उनखा पर बिस बास नञ करऽ हे, ऊ दोसी हो चुकल; एहिसे कि ऊ परमेसर के ए कलउता बेटा के नाम पर बिसवास नञ कय लकय ।

John 3:36 जे बेटा पर बिसवास करऽ हे अनन्त जि नगी ओकर हे बाकि जे बेटा के नञ मानऽ हे, ऊ जि नगी के नञ देखतइ, बाकि परमेसर के किरोध ओकरा पर रहऽ हे।”



There is a cost for sin!

3. Jesus was in the world and he died for us.

John 14:6 यीसु ओकरा से कहलथी, “राह आउर स च आउर जि नगी हम्ही हिअई बिना हमरा दिया कोइ पिता भीरी नञ पहुँच स कऽ है।

John 3:17 परमेसर अप्पन बेटा के दुनिया में एहिसे नञ भेज लन कि दुनिया पर स जा के आग्यां देथ, बाकि एहिसे कि दुनिया उनखा दिया उद्धार पावे।

John 1:10,12 ऊ दुनिया में हलइ, आउर दुनिया उनखे से पइदा होलइ, आउर दुनिया उनखा नञ चिन्हलकइ। बाकि जेते लोग उनखा स कारलकइ, ऊ ओहनी के परमेसर के स न्तान होवे के अखि तयार देलन, माने उनकनी के जे उनखर नाँव पर बिस बास रखऽ हथ।

4. Salvation is a free gift, not by good works. You must take God’s word for it, and trust Jesus alone!

Salvation is trusting and receiving Jesus Christ as your Savior. It's trusting in the fact that Jesus Christ died on the cross of Calvary to pay for your sins! It's realizing there is absolutely nothing whatsoever you can do to save

yourself and *completely* trusting in Jesus Christ to save you! It's not any church that saves. It's not any baptism, not good works, not sacraments, not repenting, not praying through, not living a good life — **IT'S NOT ANYTHING YOU CAN DO!**

Acts 4:12 कउनो दूसरा के हाँथे उद्धार नाहीं काहेकि सरग के नीचे आमदी में आउर कोइ दोसर नाँव नञ देल गेलइ, जेकरा हाँथे हम उद्धार पा स किअइ।”

Ephesians 2:8-9 काहेकि बिसवास के ज रिये किरपे से तोहनी के मुक्ति होलइ हे अउर ई तोहनी दन्न से नञ बलुक परमेसर के दान हे, अउर नञ करम के ओज ह, अइसन नञ हो कि कोइ घमण्ड करे।

Titus 3:5 त ऊ हमनी के उद्धार कय लथी; आउर ई धरम के काम के ओज ह से नञ, जे हमनी अपने कय ली, बाकि अप्पन दया के मोताबिक नया ज लम के नहावे आउर पवित्र आत्मा के हमनी के नया बनावे से होलय ।

5. You must believe on the Lord and you will have everlasting life!

John 5:24 हम तोहनी से स चो कहऽ हियो, जे हमर बचन सुनके हमरा भेजेवाला पर बिसवास करऽ हे, अनन्त जि नगी उनकरे हे, आउर ओकरा पर सजा के आग्यां नञ होवऽ हे बाकि ऊ मउत टप के जि नगी में पइस चुकल हे।

John 6:47 हम तोहनी से स चो कहऽ हियो कि जे कोइ बिसवास करऽ हे, अनन्त जि नगी ओकरे हे।

John 10:28 आउर हम ओखनी के अ नन्त जि नगी दे हिअ इ। ओ कहियो खतम नञ होतइ, आउर कोई ओखनी के हमरा हाँथा से नञ छीन लेतइ।



If you want to accept Jesus Christ as your Savior and receive forgiveness from God, here is prayer you can pray. Saying this prayer or any other prayer will not save you. It is only trusting in Jesus Christ that can provide forgiveness of sins. This prayer is simply a way to express to God your faith in Him and thank Him for providing for your forgiveness.



"Lord,

I know that I am a sinner. I know that I deserve the consequences of my sin which is death and hell. However, I am trusting in Jesus Christ as my Savior. I believe that His death and resurrection provided for my forgiveness. I trust in Jesus and Jesus alone as my personal Lord and Savior. Thank you Lord, for saving me and forgiving me! Amen!"

If you just prayed that prayer — according to the Word of God — YOU ARE SAVED! HALLELUJAH!

You say, but I don't feel any different. Guess what? Your salvation does not depend on your feeling. **It ALL depends on doing what God SAID!**

God said if you receive and trust in Jesus Christ you are saved. Notice it does NOT say you "might" or "could" be saved — but "shall be saved". **YOU ARE SAVED!**

"जे कोइ परभु के नाम लेतइ, उद्धार पय तइ।" Romans 10:13

Didn't you just believe on the Lord Jesus Christ? Look at what John 3:36 says! It says you **HATH EVERLASTING LIFE!** Not "maybe" or "hope so" — **BUT HATH — YOU ARE SAVED!**

जे बेटा पर बिसवास करऽ हे अनन्त जि नगी ओकर हे बाकि जे बेटा के नञ मानऽ हे, ऊ जि नगी के नञ देखतइ, बाकि परमेसर के किरोध ओकरा पर रहऽ हे।". John 3:36

Friend, if you prayed the prayer and received Jesus Christ — **YOU ARE SAVED! You did what God said — AND GOD CANNOT LIE!**